अर्थशास्त्र(Economics)

बी.ए. अर्थशास्त्र (Economics) पंचम सेमेस्ट रमें विद्यार्थियों हेतु लघु शोध प्रबन्ध (Project Work / Dissertation)

प्रस्तावना -अर्थशास्त्र विषय में स्नातक स्तर के तीन वर्षीय कार्यक्रम (NEP, बहुआयामी संरचना) के अंतर्गत पंचम सेमेस्टर में चार श्रेयांक (credit) के Project work/ Dissertation किया जाना है।शोध प्रबन्ध को अर्थशास्त्र के पाठ्क्रम में सम्मिलित किए जाने का मर्म यह है कि विद्यार्थियों को व्यापक आर्थिक क्रियाओं को समझने के लिए विविधसांख्यिकीयउपकरणोंसेअवगत कराया जा सके| इसके अतिरिक्त समसामयिक विषयों पर किये गए शोध कार्यों के माध्यम से छात्र उन विषयों को अच्छे तरीकों से समझ सकेंगे एवं समाज की सामाजिक-आर्थिक विकास में सहायक हो सकेंगे।

छात्रों हेतु शोध प्रबन्ध के उद्देश्य -

अर्थशास्त्र में बी.ए. के लिए शोध प्रबंध लिखना कई महत्वपूर्ण शैक्षिक और व्यावसायिक उद्देश्यों की पूर्ति करने में सहायक होगा जिन्हें हम निम्न बिन्दुओं की सहायता से समझ सकते है:

1. गहन ज्ञान

❖ विशेष समझ: यह छात्रों को अर्थशास्त्र के एक विशिष्ट क्षेत्र को गहराई से जानने का अवसर प्रदान करता है, साथ ही यह छात्रों में महत्वपूर्ण सोच और विश्लेषणात्मक कौशल विकसित करने में मदद करता है।

2. शोध कौशल

❖ पद्धतिगत प्रशिक्षण: शोध प्रबंध का संचालन करने में शोध पद्धतियों को सीखना और लागू करना शामिल है, उदाहरण स्वरुप - डेटा विश्लेषण: छात्र डेटा एकत्र करने, उसका विश्लेषण करने और उसकी व्याख्या करने में व्यावहारिक अनुभव शामिल है।

3. शैक्षणिक विकास

30/9/25

- छात्र मौजूदा साहित्य की व्यापक समीक्षा करनासीख सकेंगे, साथ ही शोध प्रबंध के माध्यम से अकादमिक लेखन कौशल में सुधार आएगा, जो जटिल विचारों को स्पष्ट रूप से संप्रेषित करने के लिए आवश्यक है।

4. व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास

- शोध प्रबंध के लिए आत्म-प्रेरणा और समय प्रबंधन की आवश्यकता होती है, जो छात्रों को दीर्घकालिक परियोजना पर स्वतंत्र रूप से काम करना सिखाता है।
- समस्या-समाधान: शोध प्रश्न की पहचान करने, अनुसंधान क्रियाविधि विकसित करने और समाधान खोजने की प्रक्रिया कौशल को बढ़ावा देती है।

5. क्षेत्र में योगदान

- मूल योगदान: स्नातक स्तर पर भी, शोध प्रबंध अर्थशास्त्र के क्षेत्र में नई अंतर्दृष्टि या दृष्टिकोण प्रदान कर सकते हैंजो संभावित रूप से आर्थिक नीतियों या व्यावसायिक रणनीतियों को प्रभावित कर सकते हैं।

6. कैरियर की तैयारी

- शोध को पूरा करने की क्षमता का प्रदर्शन नियोक्ताओं के लिए आकर्षक हो सकता है, विश्लेषण, समस्या-समाधान और परियोजना प्रबंधन में कौशल का प्रदर्शन करता है।

7. शैक्षणिक मूल्यांकन

- शोध के माध्यम से छात्र की आर्थिक अवधारणाओं, शोध कौशल और जानकारी को संश्लेषित करने की क्षमता का मूल्यांकन करने की क्षमता मिलती है।

लघु शोध प्रबंधन हेतु दिशा निर्देश-

- बी.ए. अर्थशास्त्रपंचम सेमेस्टर में विद्यार्थियों को लघु शोध प्रबन्ध कार्य करने हेतु अपने अध्ययन केन्द्र के अर्थशास्त्र के शैक्षिक परामर्शदाता से मार्गदर्शन प्राप्त कर~~ना होगा~~ [सकते हैं।]।

11

❖ सभी विद्यार्थियों को अपने अध्ययन केन्द्र के अर्थशास्त्र विभाग के परामर्शदाता के मार्गदर्शन में एक शोध प्रारूप (Synopsis) बनाना होगा औरयदि आवश्यकता हो तो विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के प्राध्यापकों से भी संपर्क कर सकते हैं।

❖ जो विद्यार्थी उ० मु० वि० के अर्थशास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापकों के निर्देशन में अपना शोध कार्य पूर्ण करना चाहते हैं, वे विद्यार्थी उ० मु० वि० के सहा० प्राध्यापकों से किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क कर सकते हैं, परन्तु यहाँ यह ध्यान रखा जाना आवश्यक है कि वही विद्यार्थी वि० वि० में सम्पर्क करें जो तीन माह तक एवंसप्ताह में कम से कम तीन कार्यदिवसों में वि० वि० में उपस्थित हो सकें।

❖ इसके साथ ही सभी विद्यार्थियों को शोध प्रारूप के साथ अपने पर्यवेक्षक का बायो-डेटा अनिवार्य रूप से संलग्न करना होगा इसके बिना किसी भी विद्यार्थी का शोध प्रारूप विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

❖ जिन विद्यार्थियों का शोध प्रारूप विश्वविद्यालय द्वारा किसी कारणवश अस्वीकृत किया जायेगा, उन विद्यार्थियों को अपना शोध प्रारूप आवश्यक सुधार के साथ एक सप्ताह के भीतर पुनः विश्वविद्यालय (soft copy) को प्रेषित करना होगा।

❖ कोई भी शोध प्रारूप जो विश्वविद्यालय द्वारा अस्वीकृत कर दिया गया हो, उसका शोध प्रबंध शोध प्रारूप की स्वीकृति के बिना किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

❖ अध्ययन केंद्र के परामर्शदाता या पर्यवेक्षक की संस्तुति होने पर ही अपना शोध प्रारूप विश्वविद्यालय को प्रेषित करें।

❖ विश्वविद्यालय द्वारा शोध प्रारूप की स्वीकृत की पुष्टि हो जाने पर ही अपना शोध कार्य प्रारंभ करें।

❖ पर्यवेक्षक की संतुति न होने पर आपका शोध प्रबंध विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

❖ यदि विश्वविद्यालय द्वारा किन्हीं दो विद्यार्थियों के शोध प्रबन्ध का विषय एवं क्षेत्र समान पाया जाता है अथवा अनुवादक के दूसरे विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत किया जाता है तो उन का लघुशोध प्रबन्ध निरस्त कर दिया जायेगा।

30/4/25

(10)

❖ विद्यार्थियों से आशा की जाती है कि वे अपने शोध अध्ययन स्वयं करे। किसी भी तरह की नकल स्वीका‹ नहीं की जायेगी।

❖ विद्यार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने लघु शोध प्रबन्ध प्रस्ताव की दो प्रतियाँ तैयार करें एवं सभी संलग्न प्रारूप के साथ विश्वविद्यालय को अनिवार्य रूप से तय समय के दौरान जमा करें और एक प्रति स्वयं के उपयोग हेतु रखें।

❖ लघु शोध प्रबन्ध/Dissertationमें 1.5 लाइन स्पेसिंग एवं फ़ॉन्ट का आकार 14 में टाइप्ड होना चाहिए। साथ ही लघु शोध प्रबन्ध की बाईडिंग हार्ड कवर पेज के साथ होनी चाहिए।

विश्वविद्यालय को लघु शोध प्रबन्ध प्रस्ताव प्रेषित करने की अंतिम तिथि :

विश्वविदयालय को लघु शोध प्रबन्ध कार्य जमा करने की अंतिम तिथि :

शोध प्रबंध का विषय चयनित करने हेतु सुझाव/दिशा निर्देश:

1.आपकी क्षमताएँ और रुचियां: विषय चयन केपहले, अपनी व्यक्तिगत क्षमताओं,रुचियों और पूर्व ज्ञान का मूल्यांकन करें।

2.उपलब्ध संसाधन: संबंधितपुस्तकें, लेख, अनुसंधानपेपर, औरअन्यसंसाधनों की उपलब्धता का मूल्यांक न करें।

3.मौलिकता और महत्त्व: कितनी मौलिकता और महत्व आप के विषय में है, उसे ध्यान में रखें।

4.अनुसंधान का संभावित प्रभाव:क्या आपका चयन किसी समस्या का समाधान या किसी विषय विशेष ~~डोमेन~~ में नई जानकारी प्रदान करेगा?

5.प्रायोगिकता: क्या आपका चयन किसी व्यावसायिक उपयोग के लिए उपयुक्त है? या फिर यह मात्र एक शैक्षिक या अनुसंधान प्रोजेक्ट के लिए है?

30/4/25

अंततः, अपने शोध प्रबंध के उद्देश्यों और निर्देशिका के अनुसार एक विषय चुनें।

छात्रों हेतु शोधप्रबंध प्रस्तुतीकरण के लिए दिशा निर्देश:

अर्थशास्त्र विभाग, उत्तराखंड मुक्त विश्विद्यालय की आवश्यकताओं के आधार पर छात्रों हेतु शोध प्रबंध प्रस्तुतीकरण के लिए दिशा-निर्देश निम्नलिखित है:

❖ शीर्षक पृष्ठ:

- शीर्षक: शोध प्रबंध की सामग्री को दर्शाते हुए स्पष्ट और संक्षिप्त।
- लेखक का नाम: आपका पूरा नाम।
- डिग्री: स्नातक (वह डिग्री जिसके लिए शोध प्रबंध प्रस्तुत किया गया है।)
- विभाग: अर्थशास्त्र विभाग।
- संस्था: आपके विश्वविद्यालय का नाम।
- तिथि: जमा करने की तिथि।

❖ सार-संक्षेप (Abstract)

- सारांश: शोध प्रश्न, कार्यप्रणाली, निष्कर्ष और निहितार्थों का एक संक्षिप्त सारांश (250-300 शब्द)।
- कीवर्ड: आपके शोध से संबंधित 3-5 कीवर्ड।

❖ आभार (Acknowledgement)

- व्यक्तिगत धन्यवाद: उन लोगों को आभार जिन्होंने आपके शोध और लेखन प्रक्रिया में योगदान दिया।

❖ विषय-सूची (Content)

- अध्याय और खंड: पृष्ठ संख्याओं के साथ अध्यायों, खंडों और उप-खंडों की सूची।
- आंकड़े और तालिकाएँ: संबंधित पृष्ठ संख्याओं के साथ आंकड़ों और तालिकाओं के लिए अलग-अलग सूचियाँ।
- संक्षिप्providing्ताक्षरों की सूची
- प्रयुक्त संक्षिप्ताक्षर: शोध प्रबंध में प्रयुक्त किसी भी संक्षिप्ताक्षर की परिभाषाएँ।

❖ परिचय (Introduction)

- शोध प्रश्न: शोध समस्या का स्पष्ट विवरण।
- उद्देश्य: अध्ययन के लक्ष्यों की रूपरेखा।
- महत्व: शोध का महत्व और प्रासंगिकता।
- संरचना: शोध प्रबंध की संरचना की संक्षिप्त रूपरेखा।
- औचित्य: इन विधियों को चुनने का औचित्य।

❖ साहित्य समीक्षा

- अवलोकन: आपके शोध विषय से संबंधित मौजूदा साहित्य का सारांश।
- सैद्धांतिक रूपरेखा: आपके शोध को रेखांकित करने वाले सिद्धांत।
- अंतराल की पहचान: मौजूदा साहित्य में उन अंतरालों की पहचान करें जिन्हें आप अपने शोध में शामिल करना चाहते हैं।

❖ कार्यप्रणाली

- शोध डिजाइन: समग्र शोध डिजाइन और दृष्टिकोण का वर्णन करें।
- डेटा संग्रह: डेटा एकत्र करने के लिए उपयोग की जाने वाली विधियाँ (जैसे, सर्वेक्षण, प्रयोग, द्वितीयक डेटा)।

❖ डेटा विश्लेषण: डेटा का विश्लेषण करने के लिए उपयोग की जाने वाली तकनीकें।

❖ परिणाम

- प्रस्तुति: शोध निष्कर्षों की स्पष्ट प्रस्तुति।
- तालिकाएँ और आंकड़े: मुख्य परिणामों को दर्शाने के लिए तालिकाओं और आंकड़ों का उपयोग करें।
- विश्लेषण: परिणामों का विस्तृत विश्लेषण और व्याख्या।

❖ चर्चा

- निहितार्थ: अपने निष्कर्षों के निहितार्थों पर चर्चा करें।
- तुलना: अपने निष्कर्षों की तुलना मौजूदा साहित्य से करें।
- सीमाएँ: अपने अध्ययन की किसी भी सीमा पर चर्चा करें।
- भावी शोध: भावी शोध के लिए सुझाव।

❖ निष्कर्ष

- सारांश: अध्ययन के मुख्य निष्कर्षों का सारांश बनाएँ।
- योगदान: अर्थशास्त्र के क्षेत्र में योगदान को हाइलाइट करें।
- नीति अनुशंसाएँ: यदि लागू हो, तो अपने निष्कर्षों के आधार पर नीति अनुशंसाएँ प्रदान करें।

❖ संदर्भ

- उद्धरण शैली: एक सुसंगत उद्धरण शैली का पालन करें (जैसे, APA, शिकागो, हार्वर्ड)।
- पूर्णता: सुनिश्चित करें कि पाठ में उद्धृत सभी स्रोत शामिल हैं।

❖ परिशिष्ट

- पूरक सामग्री: प्रश्नावली, विस्तृत डेटा तालिकाएँ या पूरक विश्लेषण जैसी अतिरिक्त सामग्री।

नोट : छात्रों हेतु लघु शोध के लिए शीर्षकप्रत्येक वर्ष वेबसाइट में अपलोड कर दिए जाएँगे.

30/9/25

6

प्रारूप 1: मुख्य पृष्ठ

Title-: Approval proforma for Submission of B.A. Project Proposal.

Enrolment No.:

Title of the Project:

Date of Submission:

Name of the StudyCentre:

Name of the Regional Centre:

Name of the Guide

Signature

Name and address of the guide

Phone No. & Mail Id

Name & Address of the Student

Phone No & Mail Id

Approved /not approved (with remarks)

Date and Place:

30/4/25

प्रारूप 2: सर्टिफिकेट

5

Declaration

I, hereby declare that the project entitled (Project Title IN Block Letters) is an original piece of work carried out by me under the guidance of (Project Supervisor) in partial fulfilment of the requirements for the (Degree of B.A.) at (Institution Name).

Place: ………………………………

Signature:………………………………

Date: ……………………………………

Enrollment no: ……………………………..

Name:………………………………………

Address:…………………………………..

…………………………………………………..

…………………………………………………..

Saliw 30/9/25

(4)

प्रारूप 3: सर्टिफिकेट

This is to certify that Mr./Ms...Student of B.A.Economics from Uttarakhand Open University (UOU)Haldwani was working under my supervision and guidance for his/her Project Work for the course B.A.Economics. His/Her Project work entitled.. which he /she is submitting, is his /her genuine and original work.

Signature:...
Name:..
Address:..
Phone no. & mail Id: ....
(To be Filled by Supervisor)
Date:
Place:

Shalini 30/9/25